# B.El.Ed.3rd Year

## Teaching Subjects of B.El.Ed.3rd Year

**1- Theory Papers**

| | | |
|---|---|---|
| Paper X | El-:301 Basic concept in Education | - 50 marks |
| Paper XI | El-:302 School Planning and Management | - 50 marks |
| Paper XII | El:303 Logic of Mathematics Education | - 50 marks |
| Paper XIII | El-:304 Pedagogy of Environmental Studies | - 50 marks |
| | **Total Marks** | **200 marks** |

**2- Practical activities**

| | |
|---|---|
| A. Classroom Management | 50 marks |
| B Material Development | 50 marks |
| C academic enrichment programme | 50 marks |
| **Total** | **150 marks** |

# दसवां प्रश्न पत्र

पूर्णांक: ५०

## शिक्षा की बुनियादी अवधारणाएँ

(Basic concept of Eduation)

इकाई : १ **दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण:** मानव प्रकृति, ज्ञान तथा सीखने के बारे में बुनियादी पूर्वधारणाएं।

इकाई : २ **ज्ञान:** 'ज्ञान का वस्तु' पक्ष तथा बच्चे द्वारा ज्ञान का सृजन, सृजन के बीच अंतर करना, पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम तथा पाठ्य पुस्तकों के संदर्भ में ज्ञान, स्कूली ज्ञान तथा बच्चो का अनुभवजन्य ज्ञान, ज्ञान के सार्वभौम तथा स्थानीय पक्ष।

इकाई : ३ **शिक्षार्थी:** शिक्षार्थी के रूप में बालक, व्यष्टि बालक तथा आयु वर्ग, घर तथा स्कूल, सामाजीकरण तथा सीखना, गतिविधि तथा अनुभव।

इकाई : ४ **शिक्षक:** पेशेवर गतिविधि के रूप में शिक्षा, शिक्षक तथा अभिभावक, शिक्षक तथा पाठ्यचर्या, शिक्षक तथा समाज।

इकाई : ५ **शिक्षा के प्रगतिशील विचारों का सामान्य परिचय:** रूसो–पेस्तोलॉजी की परंपरा,मांटेसरी,जॉन डीवी तथा सूसन इसैक। भारतीय परिप्रेक्ष्य में प्रगतिशील शैक्षिक विचार, टैगोर, गांधी, गिजूभाई तथा कृष्णमूर्ति। टैगोर के निबंध, 'माई स्कूल' तथा डीवी के निबंध 'माई पेडागॉजिक क्रीड' का विस्तृत अध्ययन।

इकाई : ६ **शिक्षा का सामाजिक परिप्रेक्ष्य:** समानता, प्रभुत्व, संघर्ष तथा परिवर्तन।

# ग्यारहवां प्रश्न पत्र

पूर्णांक: ५०

## विद्यालय नियोजन तथा प्रबंध

(School Planning and Management)

इकाई : १ **स्कूली शिक्षा का संगठन एवं प्रबंधन:** केन्द्र, राज्य तथा स्थानीय निकायों की भूमिका, वित्त के स्रोत।

इकाई : २ **एक प्रणाली के रूप में स्कूल (I):** प्रवेश, प्रशिक्षण तथा शिक्षक–समर्थन कार्यक्रम, योजना तथा स्कूल पाठ्यक्रम–शैक्षिक, पाठ्य–सहगामी क्रियाएं तथा खेल, समुदाय प्रतिभागिता।

इकाई : ३ **एक प्रणाली के रूप में स्कूल (II):** स्कूलों के प्रकार, प्रबंध समिति तथा इसके प्रकार्य स्कूल प्रशासन, कार्मिक पैटर्न, स्कूल बजट, वार्षिक योजना, दस्तावेजीकरण एवं सूचना प्रणाली, भौतिक आधारभूत आवश्यकताएं, स्कूल के लिए उपकरणों तथा सामग्री का चयन एवं आपूर्तिकर्ताओं का चयन।

इकाई : ४ **स्तर संरक्षण:** बच्चों की भौतिक एवं मनोवैज्ञानिक आवश्कताएं, स्कूल में शैक्षिक एवं गैर–शिक्षक कर्मचारी, एकीकृत दृष्टिकोण का विकास, कर्मिक पर्यवेक्षक मॉडल तथा अनुप्रयोग, मूल्यांकन तथा फीडबैक, उत्तरदायित्व का निर्धारण।

**परियोजना (प्रोजेक्ट)**

अ) 'एक मौजूदा स्कूल' अथवा 'एक नए स्कूल के लिए योजना' पर केस अध्ययन (i) उद्देश्य (ii) स्कूल की दृष्टि (iii) संगत जनसंख्या (इसकी आवश्यकताएं, पहली पीढ़ी के शिक्षार्थी है अथवा दूसरी पीढ़ी के सामाजिक आर्थिक पृष्टभूमि इत्यादि), यथार्थ रूप में लक्ष्यों को प्राप्त करना।

ब) एक विशिष्ट क्षेत्र में शिक्षा की स्थिति पर सामूहिक परियोजना (स्कूल में नामजदगी वास्तविक संख्या तथा सुविधाओं की उपलब्धता आदि के आंकड़ों को इकट्ठा करना तथा उनकी व्याख्या करना।

# बारहवाँ प्रश्न पत्र

पूर्णांक: ५०

## तर्कपरक–गणित शिक्षा

(Logic of Mathematics Education)

इकाई : १ **बच्चों के तर्क – गणित चिंतन का स्वरूप:** पियाजे, ब्रुनर, डाईनीस और वायगोत्सकी के सिद्धांत, अंत:प्रज्ञात्मक गणित, मौखिक गणित, सांस्कृतिक विभिन्नताएं एवं विशिष्टताएं।

इकाई : २ **भाषा और गणित:** गणित की भाषा।

इकाई : ३ **अधिगम के सिद्धांत और व्यवहार के अनुसार कुछ शिक्षाशास्त्रीय विचार–बिंदुओं का आलोचनात्मक अध्ययन:** तत्परता, मौखिक अंकगणित का वृद्धीकरण, चक्रीय अभिक्रियाएं (देखे पियाजे), निकटस्थ विकास का क्षेत्र (देखे वायगोत्स्की), अधिगम कार्यों को संगठित एवं संरचित करना, सामूहिक एवं व्यक्तिगत क्रियाकलाप, अभ्यास, कंठस्थ करना एवं एल्गोरिथ्मी (प्रतीक गणित निरूपण)।

इकाई : ४ **विद्यालयों के संदर्भ में गणित:** पाठ्य–पुस्तकें, पाठ्यचर्याएं एवं कक्षा व्यवहार, गणित का स्वरूप–संज्ञानात्मक एवं कार्यविधिक, क्षेत्र (स्थान, माप और संक्रियाएं, आदि) विशिष्ट क्षेत्रों के बच्चों के अधिगम पर अनुसंधान, गुटियां, प्रतिपुष्टि, परीक्षण एवं मूल्यांकन, प्रच्छन्न पाठ्यचर्या, गणितदुर्भीति और असफलता।

काई : ५ **विषयवस्तुगत शिक्षा शास्त्र:** संख्या, स्थानीय मान, भिन्नात्मक संख्याएं, दशमलव संख्याएं बने बनाये 'किट' की भूमिका।

# तेरहवाँ प्रश्न- पत्र

पूर्णांक: ५०

## पर्यावरण अध्ययन का शिक्षाशास्त्र

(Pedagogy of Environmental Studies)

इकाई : १ **पर्यावरण अध्ययन की संकल्पना:** प्राथमिक स्तर पर पाठ्यचर्यात्मक क्षेत्र के रूप में इसका विकास और महत्व पर्यावरण अध्ययन एक उपागम, विद्याशाखा या दोनो पर्यावरण अध्ययन और पर्यावरण शिक्षा इसके विषय क्षेत्र पर्यावरण के भौतिक समाजिक, ऐतिहासिक और सास्कृतिक पक्षो से सबद्ध समाकलन।

इकाई : २ **पर्यावरण अध्ययन में पाठ्यचर्चा के विकास में बुनियादी विचार बिंदु:** विकास की संकल्पननाओं से बच्चों की सज्ञांनात्मक सवृद्धि को संबधित करना, वैकल्पिक ढाँचे कक्षा १ और २ और कक्षा ३ से ५ में पाठ्यक्रम सहित विभिन्न पाठ्यक्रम सामग्री की समीक्षा।

इकाई : ३ **विज्ञान-प्रणाली का बोध:** पर्यावरण अध्ययन में प्रक्रिया- उपागम, शिक्षण-अधिगम क्रियाकलापों के लिए योजना और संगठन, इकाई योजना और पाठ योजना, जांच, प्रयोग, विचार विमर्श, नाटक आदि की भूमिका, मूल्यांकन और परीक्षण।

<u>प्रायोगिक कार्य:</u>

१. भ्रमण की व्यवस्था और आयोजन/ प्रेक्षण करना और उनका अभिलेखन करना, सर्वेक्षण करना।

२. उपकरणों और सामग्रियों का उपयोग, फिल्म, रिपोर्ट, दस्तावेज, समाचारपत्र, स्थानीय मानचित्र, एटलस, भित्ति चार्ट, मानचित्र आरेखन एवं मौसम चार्ट का पठन चार्ट आरेख और मॉडल बनाना।

३. नमूनों का संग्रहण और प्रस्तुतीकरण: पत्तियां, शैल, डाक-टिकट, झंडे, समाचार कतरन आदि (एकत्र की गई सामग्री का वर्गीकरण करना और संग्रहालय बनाना)।

४. परियोजना कार्य-यथा, पेड़ लगाना और उसकी देखभाल करना (विज्ञान में) और मौखिक इतिहास परियोजना (सामाजिक अध्ययन में)।